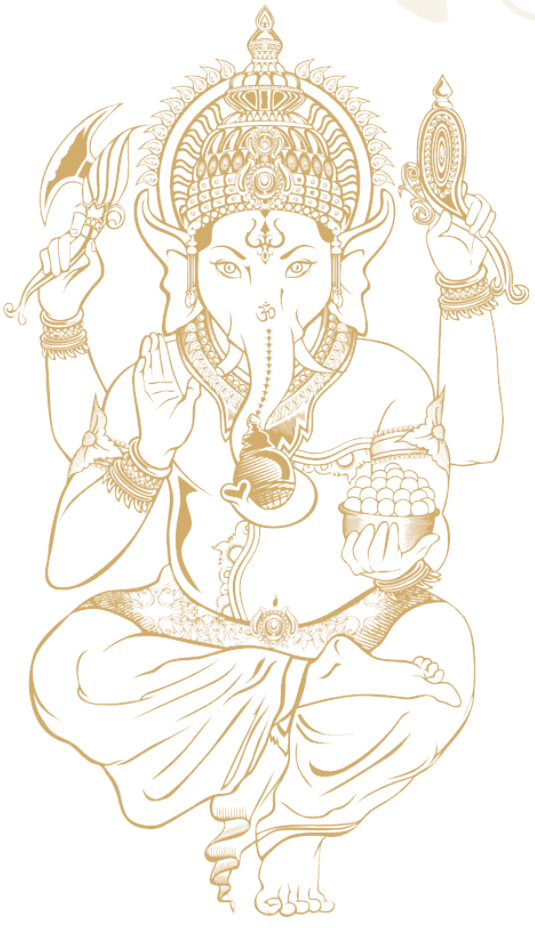

Jatin tak

01 Jul 1988

02:40 PM

Pipar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121363902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/07/1988**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**14:40:00 घंटे**
इष्ट	22:12:57 घटी
स्थान	**Pipar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:23:00 उत्तर
रेखांश	73:32:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:35:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:04:08 घंटे
वेलान्तर	-00:03:49 घंटे
साम्पातिक काल	08:42:41 घंटे
सूर्योदय	05:46:49 घंटे
सूर्यास्त	19:32:29 घंटे
दिनमान	13:45:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	16:02:41 मिथुन
लग्न के अंश	12:25:16 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वैधृति
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जी-जीवन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	12:25:16	315:02:31	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			मिथु	16:02:41	00:57:11	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	सम राशि
चंद्र			मक	07:19:42	14:41:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	सम राशि
मंगल			मीन	00:06:33	00:31:45	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
बुध			वृष	26:06:16	00:30:56	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
गुरु			वृष	02:25:56	00:12:08	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र	व		वृष	20:25:51	00:07:38	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	स्वराशि
शनि	व		धनु	04:45:13	00:04:18	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	22:34:43	00:06:47	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	22:34:43	00:06:47	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	04:54:17	00:02:23	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	---
नेप	व		धनु	15:05:21	00:01:37	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		तुला	16:09:35	00:00:37	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	14:33:19	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:51

लग्न-चलित

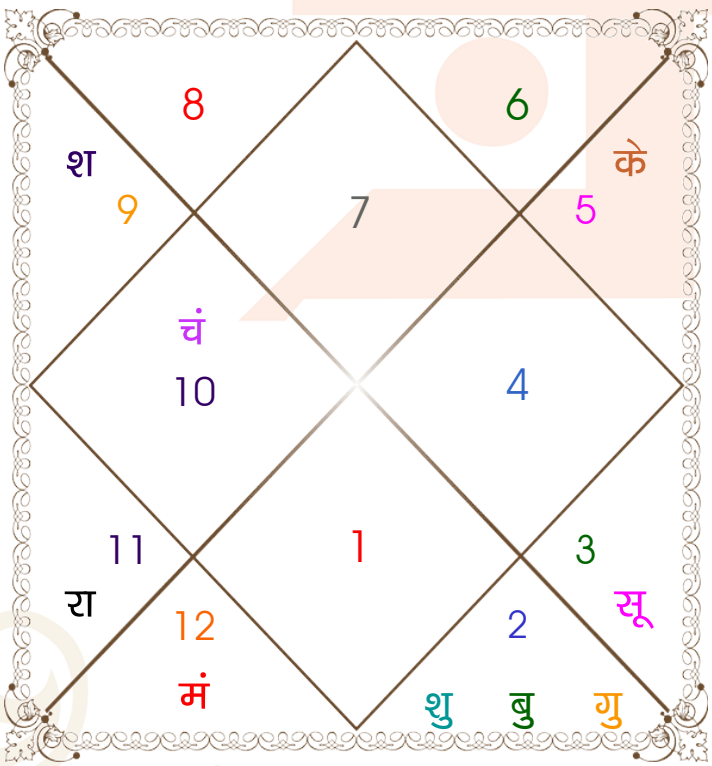

चन्द्र कुंडली

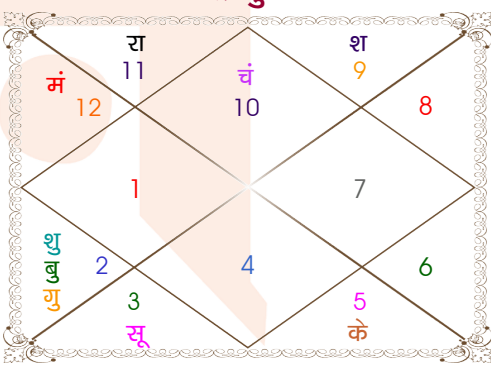

नवमांश कुंडली

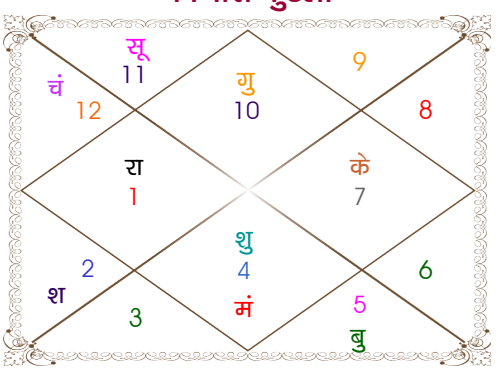

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 2 मास 13 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
01/07/1988		13/09/1989		14/09/1999		14/09/2006		13/09/2024	
13/09/1989		14/09/1999		14/09/2006		13/09/2024		13/09/2040	
	00/00/0000	चंद्र	15/07/1990	मंगल	10/02/2000	राहु	27/05/2009	गुरु	01/11/2026
	00/00/0000	मंगल	13/02/1991	राहु	27/02/2001	गुरु	20/10/2011	शनि	15/05/2029
	00/00/0000	राहु	14/08/1992	गुरु	03/02/2002	शनि	26/08/2014	बुध	20/08/2031
	00/00/0000	गुरु	14/12/1993	शनि	15/03/2003	बुध	15/03/2017	केतु	26/07/2032
	00/00/0000	शनि	15/07/1995	बुध	11/03/2004	केतु	02/04/2018	शुक्र	27/03/2035
	00/00/0000	बुध	13/12/1996	केतु	07/08/2004	शुक्र	02/04/2021	सूर्य	14/01/2036
	01/07/1988	केतु	14/07/1997	शुक्र	08/10/2005	सूर्य	25/02/2022	चंद्र	15/05/2037
केतु	13/09/1988	शुक्र	15/03/1999	सूर्य	12/02/2006	चंद्र	26/08/2023	मंगल	20/04/2038
शुक्र	13/09/1989	सूर्य	14/09/1999	चंद्र	14/09/2006	मंगल	13/09/2024	राहु	13/09/2040

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
13/09/2040		14/09/2059		13/09/2076		14/09/2083		15/09/2103	
14/09/2059		13/09/2076		14/09/2083		15/09/2103		00/00/0000	
शनि	17/09/2043	बुध	09/02/2062	केतु	09/02/2077	शुक्र	13/01/2087	सूर्य	02/01/2104
बुध	27/05/2046	केतु	07/02/2063	शुक्र	11/04/2078	सूर्य	14/01/2088	चंद्र	03/07/2104
केतु	06/07/2047	शुक्र	07/12/2065	सूर्य	17/08/2078	चंद्र	13/09/2089	मंगल	08/11/2104
शुक्र	04/09/2050	सूर्य	14/10/2066	चंद्र	18/03/2079	मंगल	13/11/2090	राहु	03/10/2105
सूर्य	17/08/2051	चंद्र	14/03/2068	मंगल	14/08/2079	राहु	13/11/2093	गुरु	22/07/2106
चंद्र	18/03/2053	मंगल	12/03/2069	राहु	01/09/2080	गुरु	14/07/2096	शनि	04/07/2107
मंगल	26/04/2054	राहु	29/09/2071	गुरु	08/08/2081	शनि	14/09/2099	बुध	09/05/2108
राहु	02/03/2057	गुरु	04/01/2074	शनि	17/09/2082	बुध	16/07/2102	केतु	02/07/2108
गुरु	14/09/2059	शनि	13/09/2076	बुध	14/09/2083	केतु	15/09/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 2 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।